<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 1292

10 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए

इस्पात का आयात

1292. श्री प्रताप सिम्हाः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या गत कुछ वर्षों के दौरान भारत इस्पात का निवल आयातक बन गया है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान वर्ष-वार कितने इस्पात का आयात किया गया है;

(ग) क्या इस्पात की मांग में वृद्धि के कारण भारत द्वारा आगामी पांच वर्षों के दौरान 50 मिलियन टन इस्पात का आयात करने की संभावना है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा विशेषकर नई इस्पात नीति में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने और मांग को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए थे/उठाए जाने हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) भारत वित्त वर्ष 2016-17 तथा 2017-18 में इस्पात का निवल निर्यातक था किन्तु वित्त वर्ष 2018-19 में यह कुल इस्पात का निवल आयातक बन गया। तथापि, चालू वित्त वर्ष 2019-20 (दिसंबर, 2019 तक) में भारत ने निवल निर्यातक की स्थिति पुनः प्राप्त कर ली है।

(ख) विगत तीन वर्षों में तथा चालू वर्ष कुल इस्पात आयात का वर्षवार परिमाण निम्नवत् है:-

वर्ष	आयात परिणाम मिलियन टन में)
2016-17	7.97
2017-18	8.40

2018-19	8.79
2019-20 (दिसंबर, 2019) (अनंतिम)	5.82

स्रोत: जेपीसी

(ग) और (घ): भारतीय इस्पात क्षेत्र एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र है और आयातक बाजार की गतिविधियों और आवश्यकता के आधार पर अपने वाणिज्यिक निर्णय स्वयं लेते हैं। सरकार मेक इन इंडिया तथा इस्पात के स्वदेशी विनिर्माण पर बल दे रही है और क्रूड इस्पात उत्पादन की वर्तमान क्षमता घरेलू खपत को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

*****